

III.



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1

PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 7] नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 25, 1973/आश्विन 3, 1895
No. 7] NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 25, 1973/ASVINA 3, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961
(43 OF 1961)

Bhopal, the 24th September 1973

No. Sub-R/Indore/31-3-73.—Whereas, I V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plots Nos. 1 to 4, Jhabua Kothi, South Tukoganj, Indore (M.P.) situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 31st March, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

1 H. H. Maharani Loke Rajya Laxmi Devi W/o Maharaja
Ajit Singh of Jhabua, 170, Ravindra Nath Tagore
Marg, Indore (M.P.) (Transferor)

2 Promoters of Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd.
(1) Maharaja Vikramaditya Singh of Rajgarh, 12 Manoranjan,
Rajgarh Kothi, Indore. (3) Maharani Prbha
Raiya Laxmi of Ratlam, Durga Jyoti, 11/2, Old Palasia,
Indore. (4) Maharani Loke Rajya Laxmi Devi W/o
Maharaja Ajit Singh of Jhabua, (M.P.) (Transferee)

*3 Shri/Shrimati Kumari.....
as above mentioned in number

(person in occupation of the
property.)

*4 Shri/Shrimati/Kumari.....

(person whom the undersigned
knows to be interested in the
property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plots No. 1, 2, 3 & 4., Jhabua Kothi South Tukoganj, Indore (M.P.)

Date : 24 March 1973

V. K. SINHA,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.)

*Strike off where not applicable.

269 घ (1) के अधीन सूचना
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

भोपाल, 24 सितम्बर, 1973

सं० सब रजि०/ इन्दौर / 31-3-73.—अतः, मुझे, व्ही० के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्रपाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिनकी सं० प्लॉट नं० 1 से 4 है, जो इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-3-73 को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेखा के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया है ऐसे अन्तरण के लिए प्रमाण निम्नलिखित उद्देश्य में अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) हिज हाई नेस महारानी लोके राज्य लक्ष्मी देवी पत्नी महाराजा प्रजीत सिंह, साबुआ, सा० 170, रविन्द्रनाथ टैगोर मार्ग, इन्दौर (म० प्र०) (अन्तरक)
- (2) प्रोमोटर्स परिजान सिनेमेटिक इन्टरप्राइजेस (प्रा०) लि० (1) महाराजा

विक्रमादित्य सिंह, राजगढ़, 12 मनोरमागंज, राजगढ़ कोठी इन्दौर (म० प्रदेश)
 (2) महारानी प्रभा राज्य लक्ष्मी, रतलाम, दुर्गा प्योति 11/2 ओल्ड
 पलासिया इन्दौर (म० प्र०) (3) महारानी लोके राज्य लक्ष्मी देवी परनी
 महाराजा अजीतसिंह—झाबुआ (म० प्र०) (अन्तरिती)

*(3) न० 1 में वर्णित..... (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

*(4) श्री/श्रीमती/कुमारी..... (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।
 उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधियां तत्संबंधी
 व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर
 सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
 किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस
 सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
 जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के
 अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के
 अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण.—इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का अध्याय
 20-क) में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट्स न० 1, 2, 3, एवं 4, झाबुआ कोठी, साउथ मुकोगंज, इन्दौर (म० प्र०)

व्ही० के० सिन्हा,

तारीख : 24-9-73

सक्षम प्राधिकारी

मोहर :

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल।

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 'N.T.R. ESTATE,' HYDERABAD

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961
(43 OF 1961)

Hyderabad, the 7th September 1973

No. 64/73-74.—Whereas, I, S. Balasubramaniam, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 712, with compound wall situated at Kukatpally, village, Hyderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad, on 28th March, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri/Smt./Kum. Usha Flour & General Mills, Limited,
Kukatpally, village Hyderabad, 37. (Transferor)
- (2) Shri/Smt./Kum. Prabhu Steel Industries Private Limited,
Kukapally, Village, Hyderabad-37 (Transferee).
- * (3) Shri/Smt./Kum. Transferee only.
_____ (Person in occupation of the property).
- * (4) M/s. Meenakshi Steel, Rolling Mills Ltd., Kukatpally,
Village, Hyderabad, 37. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property

*Strike off where not applicable.

will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Building in S. No. 712 with compound wall Kukatpally, Village Hyderabad.-37.

(Along with land admeasuring 10,310 Sq. metres including out houses and quarters.)

Date: 7-9-73.

Seal

S. BALASUBRAMANIAM,
Competent Authority,
Inspecting Asst. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण कार्यालय, हैदराबाद

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (i) के अधीन सूचनाएँ

हैदराबाद, 7 सितम्बर, 1973

सं० ए० ए० सी० 64/73-74.—यतः मुझे एस० बाल सुब्रमन्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह कि वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 712 घिरा हुआ दिवार है, जो कुकटपल्ली, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-3-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यदि अन्तरक (अन्तरका यह और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस से बचने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आन्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वव्य सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अत्र, धारा 269-ग के अन्वय में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मेसर्स ऊषा फ्लोर एण्ड जनरल मिल्स लिमिटेड, कुकटपल्ली, हैदराबाद-37

(अन्तरक)

2. प्रभू स्टील इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड (अन्तरिती)

कुकटपल्ली, हैदराबाद।

* 3. श्री/श्रीमती/कुमारी (अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

* 4. मेसर्स मीनाक्षी स्टील रोलिंग मिल्स लिमिटेड, हैदराबाद।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती, हो के भीतर पक्कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उभर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण —इस में प्रयुक्त शब्द का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापकित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया है।

अनुश्री

जायदाद:—ईमारतें नं० 712, जो दीवार से घिरा हुआ मोजे कुकटपल्ली, हैदराबाद में है।

साथ-साथ जमीन 10,301 वर्ग मीटर्स जिस पर क्वार्टर्स तथा आउट हाउसेस हैं)।

तारीख 7-9-73

समझ अधिकारी,

मोहर :

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद)

* (जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

No. 65/73-74.—Whereas, I, S. Balasubramaniam, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 127 (new No. 5-2-7) situated at Hyderabadi, Secunderabad and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Secunderabad, on 1st March, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) 1. Smt. J. M. Rajamani Devi, W o

J. H. Krishna Murthy, .

2. Sri J. H. Krishnamurthy, S o J. Ushanna, 127

(new No. 5-2-27, Hyderabadi, Secunderabad

(Transferor)

(2) Smt. Mukundabai, W o Sri Ram Singh,

G.P.A.H. Sri Balu Singh S o Siv Narayan Singh,

Nallagutta, Secunderabad

(Transferee).

*(3) Shri/Smt./Kum. Transferor

(Person in occupation of the property).

*(4) Transferor

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

*Strike off where not applicable.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Double storcyed building No. 127 New No. 5-2-27 Hyderbasti, Secunderabad.

S. BALASUBRAMANIAM,

Competent Authority,

(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax)

सं० आ० ए० सी० 65/73-74.—यतः मुझे एस० बाल सुब्रमन्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 127 (नया नं० 5-2-27) है, जो हैदरबस्ती सिकन्दराबाद में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-3-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरिनियाँ) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस से बचने के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय-आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री/श्रीमती/कुमारी जे० एम्० राजमनी देवी पत्नी जे० एच० कृष्णामूर्ती ।

2. जे० एच० कृष्णामूर्ती सुपुत्र जे० ऊगाप्पा

(अन्तरक)

नं० 127, (नया नं० 5-2-27) हैदरबस्ती, सिकन्दराबाद ।

2. श्रीमती मुकुन्दाबाई धर्मपत्नी रामासिंग (अन्तरिती)
 2 मुकुन्दारामादार श्री बाला सिंग, सुपुत्र
 नारायण सिंह द्वारा नल्लागुट्टा, मिकन्दराबाद
- * 3. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
 (अन्तरक)
- * 4. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति, जिसके बारे में हथो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है) ।
 (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पुर्वीक्षित सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद् द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।
 उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किया जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिमने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तर्गति को दी जाएगी ।

एतद् द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण—इस में प्रयुक्त शब्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापारि भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया है ।

अनुसूची

जायदाद :—दु.मजिला इमारत न० 127, (नया न० 5-2-27), हैदराबस्ती, सिकन्दराबाद

एस० एन० सुप्रसन्नम,

मक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज हैदराबाद ।

तारीख : 7-9-73

मोहर :

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए) ।